भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2785
गुरुवार, दिनांक 05 दिसम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>माइक्रो ग्रिड की स्थापना</u>

2785. श्री के॰ षणमुग सुंदरमः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) ने नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित माइक्रो ग्रिड की वकालत की है, जो गांवों के संकुल हेतु विकेंद्रीकृत बिजली उत्पादन की अनुमति देगा और ग्रामीण भारत में ऊर्जा की कमी को पूरा करेगा;

(ख) क्या सरकार के पास सीएसई अध्ययन के आधार पर मिनी ग्रिड स्थापित करने के लिए कोई प्रस्ताव है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा विद्युत और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री आर. के. सिंह)

(क) जी, हाँ। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) ने दिनांक 27 जून, 2014 को नई दिल्ली में "सस्टेनेबल मिनी ग्रिड फॉर एनर्जी एक्सेस" विषय पर आयोजित एक कार्यशाला में अक्षय ऊर्जा पर आधारित माइक्रो ग्रिडों का समर्थन किया था जिससे गांवों के क्लस्टरों के लिए विद्युत का विकेन्द्रीकृत उत्पादन संभव हो सके और ग्रामीण भारत की ऊर्जा की कमी को पूरा किया जा सके।

(ख) और (ग): नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सोलर ऑफग्रिड एंड डिसेन्ट्रलाइज्ड एप्लिकेशन्स कार्यक्रम (चरण-I तथा II) के तहत देश के ग्रामीण क्षेत्रों में माइक्रो ग्रिड प्रणाली की संस्थापना हेतु उसकी 30 प्रतिशत तक की लागत के लिए वित्तीय सहायता दी है। अब तक एमएनआरई की वित्तीय सहायता से देश के 73 गांवों में कुल 2292.2 किलोवाट पीक के सोलर माइक्रो ग्रिडों की स्थापना की जा चुकी है। तथापि, 12वीं पंचवर्षीय योजना की समाप्ति पर यह योजना बंद हो चुकी है और एमएनआरई द्वारा ऐसे किसी नए प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है।

*****